prabhatkhabar.com

# सीयूजे में सात विषयों के इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू होंगे

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

- नाइसर भुवनेश्वर, आइआइटी धनबाद, एनआइटी राउरकेला व इग्नू के साथ किया जा रहा है समझौता
- कुलपति ने कहा : झारखंड के विकास के उद्देश्य को पूरा करेगा सीयूजे, शीघ्र होगी शिक्षकों की नियुक्ति

केंद्रीय विवि, झारखंड (सीयूजे) में वर्तमान में चल रहे विषयों के अलावा अब सात महत्वपूर्ण विषयों में भी पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स शुरू किये जा रहे हैं. विवि ने कोर्स शुरू करने की अंतिम स्वीकृति के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के पास प्रस्ताव भेजा है. शीघ्र ही इसकी स्वीकृति मिलने की संभावना है. विवि के कुलपति क्षिति भूषण दास ने कहा है कि केंद्रीय विवि की झारखंड में स्थापना का उद्देश्य पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है. विवि की छवि के बदलने का काम हो रहा है. इसी क्रम में छात्रहित में सात नये कोर्स शुरू हो रहे हैं. इनमें इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट प्लानिंग, हिस्ट्री एंड कल्चर, सोसियोलॉजी, फिलोशॉपी, साइकोलॉजी, सांख्यिकी व संस्कृत विषय शामिल हैं. इसे अगले सत्र से ही आरंभ करने की योजना है. कुलपति ने बताया है कि यहां के छात्रों, शिक्षकों व शोधकर्ताओं की सुविधा के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड रिसर्च (नाइसर) भुवनेश्वर के साथ-साथ आइआइटी धनबाद, एनआइटी राउरकेला के साथ समझौता किया जा रहा है. समझौता के बाद इन संस्थानों के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम भी चलाये जायेंगे. नाइसर में मुख्य रूप से लाइफ साइंस, भौतिकी, नौनोटेक्नोलॉजी, रसायनशास्त्र के विद्यार्थी जायेंगे और वहां पढ़ाई के साथ समृद्ध लेबोरेटरी का उपयोग भी करेंगे. कुलपति ने बताया है इसी प्रकार अन्य संस्थानों के शिक्षक व विवि के शिक्षक व विद्यार्थी एक-दूसरे के साथ ज्ञान का आदान-प्रदान करेंगे.

**इन विषयों में शुरू होंगे कोर्स :** इकोनॉमिक्स एंड डेवलपमेंट प्लानिंग, हिस्ट्री एंड कल्चर, सोसियोलॉजी, फिलोशॉपी, साइकोलॉजी, सांख्यिकी व संस्कृत

## जमीन का मसला शीघ्र सुलझाना जरूरी : वीसी

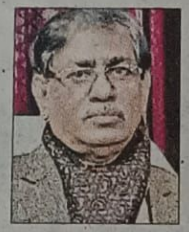

कुलपति ने कहा कि विवि में जमीन का मसला शीघ्र सुलझाना जरूरी है. जमीन का मुद्दा सुलझने के बाद संस्थान के साथ-साथ गांव व यहां के ग्रामीणों का उत्तरोत्तर विकास होगा. रोजगार का बढ़ावा मिलेगा. इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि कोई भी समस्या का हल बातचीत करने से ही सुलझ सकती है. उन्होंने कहा कि पेशेवर के लिए पीएचडी प्रोग्राम सहित एमएड की भी पढ़ाई शुरू करने का प्रयास तेज किये गये हैं. विवि में शीघ्र ही शिक्षकों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की जा रही है.